दैनिक
उत्तराखण्ड प्रहरी

वर्ष 15 /अंक 34 / पृष्ठ 8
हरिद्वार, सोमवार, 03 अप्रैल 2023
uttarakhandprahari19@gmail.com / e-paper: uttarakhandprahari.com
उत्तराखण्ड का सबसे विश्वसनीय मीडिया पार्टनर
RNI No. : - UTTHIN/2009/27592

अयोग्यता कानून पर विचार की जरूरत
देवभूमि से प्रसिद्ध उत्तराखंड की इन मशहूर जगहों

मूल्य- 2 रु.

बेमौसम बरसात से 5.23 लाख हेक्टेयर में गेहूं की फसल प्रभावित, किसानों को भारी नुकसान

नई दिल्ली(वार्ता)। बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवा ने तीन राज्यों में 5.23 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में गेहूं की फसल को प्रभावित किया है। इससे किसानों के लिए उपज के भारी नुकसान और कटाई का संकट पैदा हो गया है। भारत गेहूं के प्रमुख उत्पादकों में से एक है। यह देश की एक बड़ी आबादी के लिए प्रमुख भोजन है। भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच ऊंची मुद्रास्फीति और खाद्य सुरक्षा की चिंता से पहले से है। ऐसे में गेहूं की फसल के नुकसान से स्थिति और खराब हो सकती है। अधिकारियों के अनुसार, खराब मौसम के कारण तीन राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में लगभग 5.23 लाख हेक्टेयर गेहूं की फसल खराब होने का अनुमान है।

गेहूं एक प्रमुख रबी (सर्दियों) फसल है। बेमौसम बारिश ऐसे समय में आई है जब फसल कटाई के लिए लगभग तैयार थी। मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सरकारी खरीद भी शुरू हो गई है। पिछले दो सप्ताह से प्रमुख गेहूं उत्पादक राज्यों... पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के कारण आंधी, ओलावृष्टि और तेज हवा के साथ बेमौसम बारिश हुई है। इसके अभी कुछ और दिन तक जारी रहने के आसार हैं। पंजाब के मोहाली जिले के बदरपुर गांव के किसान भूपेंद्र सिंह ने कहा, खराब मौसम की वजह से गेहूं की फसल को भारी नुकसान हुआ है। गेहूं की उपज औसतन 20 क्विंटल प्रति एकड़ रहती है। लेकिन इस बार यह घटकर 10-11 क्विंटल रह जाएगी। बदरपुर में 34 एकड़ में गेहूं उगाने वाले भूपेंद्र सिंह ने कहा कि उनके खेतों में कुछ जगह पर तेज हवा के कारण फसल बर्बाद हो गई है। उन्होंने कहा कि बेमौसम बारिश और तेज हवाओं के कारण गेहूं की फसल में औसतन 50 प्रतिशत उपज का नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि अगर बारिश अधिक दिन तक जारी रही, तो फसल पूरी तरह से डूब जाएगी। उन्होंने कहा कि पंजाब और हरियाणा में गेहूं की फसल को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। इस साल गेहूं का रकबा करीब 34 लाख हेक्टेयर है। अधिकारियों ने कहा कि सरकार चालू फसल वर्ष (जुलाई, 2022-जून 23) में रिकॉर्ड 11.22 करोड़ टन गेहूं उत्पादन का अनुमान लगा रही है। केंद्रीय कृषि सचिव मनोज आहूजा ने पीटीआई-भाषा से कहा कि केंद्र पिछले दो से तीन दिन में हुई बेमौसम बरसात के कारण गेहूं और अन्य रबी फसलों को हुए नुकसान की सोमवार को राज्य सरकारों के साथ समीक्षा करेगा। मध्य प्रदेश के एक किसान अजय सिंह ने कहा, अधिक नमी के कारण हम गेहूं की फसल में फफूंद रोग देख रहे हैं। अनाज की गुणवत्ता प्रभावित होगी। उनके पास खजुराहो में दो एकड़ जमीन है। मध्य प्रदेश में गेहूं की खेती का कुल क्षेत्रफल 95 लाख हेक्टेयर है। राज्य के कृषि विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि इसमें से लगभग एक लाख हेक्टेयर हाल की बारिश और ओलावृष्टि से प्रभावित हुआ है। अधिकारी ने कहा, फसल का नुकसान बहुत अधिक नहीं है और प्रभावित क्षेत्रों में भी फसल की चमक थोड़ी प्रभावित हुई है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि राजस्थान में भी 29.65 लाख हेक्टेयर के कुल गेहूं क्षेत्रफल में से लगभग 3.88 लाख हेक्टेयर गेहूं की फसल बेमौसम बारिश के कारण प्रभावित हुई है। राजस्थान में गेहूं के अलावा सरसों, चने, जौ और अन्य सब्जियों की फसलें प्रभावित हुई हैं। सूत्रों ने कहा कि राज्य में बारिश के कारण करीब 1.54 लाख हेक्टेयर और 1.29 लाख हेक्टेयर में क्रमशः सरसों और चने की फसल को नुकसान पहुंचा है।

राष्ट्रपति मुर्मू सात अप्रैल को गौहाटी उच्च न्यायालय के प्लैटिनम जयंती समारोह को संबोधित करेंगी

गुवाहाटी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सात अप्रैल को गौहाटी उच्च न्यायालय के प्लैटिनम जयंती समारोह को संबोधित करेंगी। उच्च न्यायालय के एक प्रवक्ता ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि राष्ट्रपति मुर्मू महिलाओं की सुरक्षा के लिए एक स्मार्टफोन ऐप 'भोरोक्सा' भी जारी करेंगी। प्रवक्ता के मुताबिक, गौहाटी उच्च न्यायालय के प्लैटिनम जयंती समारोह में भारत के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, गौहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संदीप कटारिया, केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रीजीजू, असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा भी शामिल होंगे। राष्ट्रपति मुर्मू छह अप्रैल को असम के दो दिवसीय दौरे पर रवाना होंगी, जहां उनका काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में आयोजित होने वाले 'गज समारोह-2023' में शिरकत करने का कार्यक्रम है। प्रवक्ता ने बताया कि गौहाटी उच्च न्यायालय का एक सप्ताह लंबा प्लैटिनम जयंती समारोह एक अप्रैल को शुरू हुआ था, जब एक साइकिल रैली निकाले जाने के साथ ही 'मुख्य न्यायाधीश एकादश' और 'मुख्यमंत्री एकादश' की टीमों के बीच दोस्ताना क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया था।

महाराष्ट्र : शिंदे ने ठाणे में सावरकर गौरव यात्रा की अगुवाई की

ठाणे (महाराष्ट्र), (भाषा)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को ठाणे शहर में सावरकर गौरव यात्रा की अगुवाई की जिसमें हिंदुत्व विचारक दिवंगत वी डी सावरकर को सम्मान देने के लिए सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना ने पिछले महीने घोषणा की थी कि देश में सावरकर के योगदान को सम्मान देने तथा उनके खिलाफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना का जवाब देने के लिए महाराष्ट्र के प्रत्एक जिले में सावरकर गौरव यात्रा निकाली जाएगी। रविवार को लोगों ने भगवा टोपियां पहनकर यात्रा में भाग लिया जिन पर मी सावरकर (मैं सावरकर हूं) तथा अन्य संदेश लिखे थे। उन्होंने ठाणे शहर में राम गणेश गडकरी रंगायतन सभागार में सावरकर को पुष्पांजलि अर्पित की, जहां से यात्रा आरंभ हुई थी। शिंदे तथा सत्तारूढ़ शिवसेना-भाजपा गठबंधन के कुछ अन्य नेताओं ने एक अस्थाई रथ पर सवार होकर यात्रा में भाग लिया और शहर के चार विधानसभा क्षेत्रों से गुजरने वाली यात्रा के दौरान नागरिकों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। यात्रा में भाग लेने वाले लोगों पर फूलों की बरसात की गई। इनमें से कई लोग 200 से अधिक मोटरसाइकिल और करीब 100 ऑटो रिक्शा पर सवार होकर यात्रा में शामिल हुए।

बसपा के खिलाफ दुष्प्रचार से होशियार रहे दलित समाज : मायावती

लखनऊ। बसपा की अध्यक्ष मायावती ने दलित समाज को उत्तर प्रदेश में बसपा के कमजोर होने संबंधी दुष्प्रचार से होशियार रहने और आम जनता को भी सचेत करने की हिदायत दी। मायावती ने रविवार को बसपा की प्रदेश इकाई के वरिष्ठ पदाधिकारियों और राज्य के सभी 75 जिलों के पार्टी अध्यक्षों की विशेष बैठक में विरोधी पार्टियों पर बसपा को कमजोर करने के लिए दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया। दलितों को गुमराह करने की रची जा रही है साजि उन्होंने कहा,विरोधी दल उत्तर प्रदेश में बसपा को कमजोर करने के साथ-साथ

दलितों को गुमराह करके उन्हें पार्टी आंदोलन से अलग करने की साजिश रचते हैं और मीडिया के माध्यम से दलित वोट बैंक में दरार पड़ने की विषैली व घिनौनी खबरें प्रचारित व प्रसारित करते रहते हैं। हालांकि, इन खबरों में रत्तीभर भी सच्चाई नहीं होती है। मायावती ने कहा, इसीलिए बहुजन समाज को, खासकर दलित समाज को विरोधी पार्टियों के ऐसे दुष्प्रचार व इसी प्रकार के अन्य हथकंडों से खुद भी सजग रहना है और दूसरों को भी सचेक करते रहना है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा,सपा की जोड़तोड़ और छलावे की घिनौनी राजनीति चलने वाली नहीं है। दलित और अति पिछड़े तो पहले से ही सपा से काफी सजग व सतर्क हैं।

इसरो ने पुनः प्रयोज्य प्रक्षेपण यान स्वायत्त लैंडिंग मिशन के तहत सफल परीक्षण किया

बेंगलुरु, (भाषा)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने पुनः प्रयोज्य प्रक्षेपण यान स्वायत्त लैंडिंग मिशन (आरएलवी एलएएक्स) के तहत रविवार को सफलतापूर्वक परीक्षण किया। राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि यह परीक्षण कर्नाटक के चित्रदुर्ग में वैमानिकी परीक्षण रेंज (एटीआर) में किया गया। एक बयान में कहा गया है, ''इसी के साथ इसरो ने प्रक्षेपण यान की स्वायत्त लैंडिंग के क्षेत्र में सफलता हासिल कर ली।'' इसरो ने कहा, ''एलईएक्स के साथ ही पुनः प्रयोज्य प्रक्षेपण के क्षेत्र में भारत अपने लक्ष्य के एक और कदम करीब पहुंच गया।'' दुनिया में पहली बार, एक 'विंग बॉडी' को एक हेलीकॉप्टर की मदद से 4.5 किलोमीटर की ऊंचाई पर ले जाया जाएगा और रनवे पर स्वायत्त लैंडिंग के लिए छोड़ा गया। भारतीय वायुसेना के चिनुक हेलीकॉप्टर के जरिये आरएलवी ने भारतीय समयानुसार सुबह सात बजकर 10 मिनट पर (औसत समुद्र तल से) 4.5 किलोमीटर की ऊंचाई तक उड़ान भरी। तय मापदंडों तक पहुंचने के बाद मिशन प्रबंधन कंप्यूटर की कमान के आधार पर आरएलवी को बीच हवा में 4.6 किलोमीटर की क्षैतिज दूरी से छोड़ा गया। स्थिति, वेग, ऊंचाई आदि समेत 10 मापदंडों पर नजर रखी गई और इनके पूरा होने पर आरएलवी को छोड़ा गया। आरएलवी को छोड़े जाने की प्रक्रिया स्वायत्त थी। आरएलवी ने एकीकृत नेविगेशन, मार्गदर्शन और नियंत्रण प्रणाली का उपयोग करते हुए नीचे उतरना शुरू किया और उसने भारतीय समयानुसार पूर्वाह्न सात बजकर 40 मिनट पर स्वायत्त तरीके से लैंडिंग की।

आवश्यक सूचना

'उत्तराखंड प्रहरी' के सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि आप अपने प्रिय अखबार 'उत्तराखंड प्रहरी' महाभियान में शामिल हो सकते हैं। आप अपने द्वारा लिखी गई कोई भी संरचना, कविता, कहानी, लेख या कार्यक्रम हमसे साझा कर सकते हैं। अच्छे लेख व कहानी को 'उत्तराखंड प्रहरी' में उचित स्थान दिया जाएगा। आप अपने प्रियजनों को जन्मदिन, सालगिरह या अन्य शुभ अवसरों पर बधाई संदेश भी दे सकते हैं।

आप हमें ईमेल
uttarakhandprahari19@gmail.com या whatsup no 8077771906 पर भी भेज सकते हैं।

संपादकीय

जर्मन लोकतंत्र न पढ़ाए

राहुल गांधी और भारतीय लोकतंत्र के मुद्दे पर भाजपा और कांग्रेस एक बार फिर टकराव की मुद्रा में हैं। जर्मनी के विदेश मंत्रालय की प्रेस ब्रीफिंग में अपेक्षा की गई है कि राहुल गांधी पर कार्रवाई करते हुए न्यायिक स्वतंत्रता के मानकों और बुनियादी लोकतांत्रिक सिद्धांतों का ध्यान रखा जाए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने जर्मनी का आभार जताया कि उसने भारत में लोकतंत्र के साथ किए जा रहे समझौतों पर ध्यान दिया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश का बयान कुछ और बयां करता है। दरअसल अब इस अध्याय को बंद किया जाना चाहिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सांसदी तकनीकी और संवैधानिक तौर से खारिज की गई है। इस संदर्भ में गौरतलब है कि जब सर्वोच्च अदालत ने दो साल की घोषित न्यायिक सजा पर संसद और विधानसभा सदस्यता रद्द करने का फैसला सुनाया था, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की कैबिनेट ने एक अध्यादेश पारित किया था। वह न्यायपालिका का पलटजवाब था।

अध्यादेश के जरिए दागी और सजायाफ्ता नेताओं को बचाने के प्रावधान किए गए थे। राहुल गांधी अचानक प्रेस क्लब ऑफ इंडिया गए और उस अध्यादेश की प्रतिलिपि फाड़ते हुए बोले-'नॉनसेंस!' नतीजा यह हुआ कि कैबिनेट को वह अध्यादेश वापस लेने का निर्णय लेना पड़ा। आज अध्यादेश कानूनी तौर पर लागू होता, तो राहुल की सांसदी बच जाती। बहरहाल अब सर्वोच्च अदालत का फैसला लागू है। उसके तहत 15-20 नेताओं की सांसदी रद्द की जा चुकी है। कुछ उदाहरण हैं-चारा घोटाले में जगदीश शर्मा, जद-यू सांसद मित्रसेन यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं कांग्रेस सांसद रशीद मसूद, पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू यादव, तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता और पूर्व कांग्रेस सांसद राशिद अल्वी आदि। किसी की खारिज सांसदी पर, किसी भी देश ने, हमें लोकतंत्र और न्यायिक स्वतंत्रता का पाठ नहीं पढ़ाया। जर्मनी पर तानाशाह हिटलर ने भी शासन किया था, लिहाजा उसकी परंपराओं में तानाशाही है। वह दुनिया के सबसे बड़े और प्राचीनतम लोकतंत्र भारत को क्या नसीहत दे सकता है? राहुल गांधी ने लंदन में यह इच्छा जरूर जाहिर की थी कि अमरीका और यूरोप के देश खुद को लोकतंत्र का रक्षक मानते हैं। वे ध्यान दें कि एक बड़े देश के लोकतंत्र में क्या हो रहा है? विदेशी दखल की उनकी इच्छा आंशिक तौर पर पूरी हो गई है। राहुल के सामने कानूनी विकल्प आज भी हैं। उन्हें भारत के कानून और विदेशी दखल में से एक विकल्प चुनना है। वह अदालत में चुनौती अब भी दे सकते हैं। उन्हें अदालत में जाना भी चाहिए, क्योंकि पटना उच्च न्यायालय ने 12 अप्रैल को पेश होने का नोटिस भी भेजा है। 'मोदी उपनाम वाले ही चोर..' वाले संदर्भ में भाजपा सांसद एवं बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने भी मानहानि का केस किया था। राहुल अदालत में गुहार लगा कर ऐसे सभी मामलों की एक ही जगह सुनवाई का अनुरोध कर सकते हैं। अदालत के जरिए ही जिस तरह लक्षद्वीप के सांसद मुहम्मद फैज़ल की सांसदी बहाल की गई है, उसी तरह राहुल के संदर्भ में भी संभव है। जर्मनी का बयान कितना कारगर साबित हो सकता है? अमरीका और यूरोपीय देश मानवाधिकार, अल्पसंख्यक सुरक्षा और अभिव्यक्ति की आज़ादी संबंधी नसीहतें भारत सरकार को देते रहे हैं। भारतीय लोकतंत्र को कौन सबक सिखा सकता है? भारत के सभी बड़े देशों से अच्छे रिश्ते हैं। यह 1960, '70, '80 और '90 के दशकों वाला भारत नहीं है। भारत आज विश्व की 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था है।

अयोग्यता कानून पर विचार की जरूरत

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की लोकसभा से अयोग्यता की घटना ने सांसदों, विधायकों को अयोग्य बनाने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले की फॉल्टलाइन्स को जाहिर किया है। इससे पहले एकाध अपवादों को छोड़ दें तो जिन सांसदों और विधायकों की सदस्यता इस कानून की वजह से गई है वे किसी न किसी गंभीर अपराध में दोषी ठहराए गए थे। लालू प्रसाद दशकों से चल रहे चारा घोटाले में दोषी ठहराए गए थे तो जयललिता आय से अधिक संपत्ति के मामले में दोषी ठहराई गई थीं। लेकिन राहुल गांधी अपने भाषण के लिए दोषी ठहराए गए हैं और उनकी सदस्यता समाप्त की गई है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के विधायक रहे आजम खान की सदस्यता भी भाषण की वजह से गई थी। हालांकि फर्क यह था कि आजम खान के भाषण को हेट स्पीच कहा गया था, जबकि राहुल का भाषण एक जाति या समुदाय के लिए अपमानजनक माना गया। इस पूरे मामले से कुछ जरूरी सवाल उठे हैं, जिनका जवाब तलाशना लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है।

यह अच्छा है कि जन प्रतिनिधित्व कानून की धारा आठ (तीन) को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है, जिसमें किसी सांसद या विधायक को दो साल या उससे ज्यादा की सजा ऑटोमेटिक रूट से होती है। यानी दोषी करार दिए जाने और दो साल या उससे ज्यादा की सजा सुनाए जाते ही सदस्यता अपने आप समाप्त हो जाती है। राहुल गांधी के मामले में ऐसा ही हुआ है। लोकसभा सचिवालय ने सिर्फ औपचारिकता निभाई है। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में इस कानून के कई पहलुओं में बदलाव की अपील की गई है। अयोग्यता के लिए अपराध की श्रेणी बनाने की वकालत की गई है। होना भी ऐसा ही चाहिए कि किसी गंभीर अपराध के लिए दोषी ठहराए जाने के बाद ही सदस्यता समाप्त की जाए। चुनावी या राजनीतिक भाषण के आधार पर अगर अयोग्यता का फैसला होने लगे तो उससे लोकतंत्र के सामने बड़ा संकट पैदा होगा। उससे वाक और अभिव्यक्ति की आजादी का संवैधानिक प्रावधान भी प्रभावित होगा।

बहरहाल, राहुल गांधी की अयोग्यता से जो मुद्दे उठे हैं उनमें सिर्फ एक मुद्दे का जवाब सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई से निकलेगा। वह मुद्दा अपराध की श्रेणी का है। अदालत सभी पक्षों को सुन कर यह तय कर सकती है कि साधारण आरोपों या राजनीतिक मुकदमों में फैसले से सदस्यता प्रभावित नहीं होगी। सिर्फ गंभीर अपराध का दोषी ठहराए जाने पर ही सदस्यता समाप्त होगी। इसी से जुड़ा दूसरा और बड़ा मुद्दा मानहानि के मुकदमे का है। यह बहुत अस्पष्ट का मुद्दा है और इसका दायरा बहुत बड़ा है। राहुल के मामले में ही देखें तो उन्होंने कर्नाटक में भाषण दिया था और मुकदमा गुजरात में हुआ। अपने भाषण में उन्होंने कहा- एक छोटा सा सवाल है, इन सारे चोरों के नाम मोदी, मोदी, मोदी क्यों हैं, नीरव मोदी, ललित मोदी, नरेंद्र मोदी, आप खोजेंगे तो और भी मिल जाएंगे। इस आधार पर गुजरात में भाजपा के एक विधायक पुरनेश मोदी ने राहुल पर मुकदमा किया, जबकि उन्होंने पुरनेश मोदी का नाम नहीं लिया था। आमतौर पर माना जाता है कि जिस व्यक्ति की मानहानि हुई है वही मुकदमा कर सकता है।

लेकिन अभी ऐसा हो रहा है कि कोई भी व्यक्ति, कहीं भी मुकदमा कर सकता है। किसी के भाषण से किसी की भावना आहत हो जा रही है और वह कहीं भी मुकदमा दर्ज करा दिया जा रहा है। फिर भाषण देने वाले को पूरे देश में भागते रहना पड़ता है। इस खतरे को देखते हुए अमेरिका सहित कई विकसित लोकतांत्रिक देशों जैसे अमेरिका, ब्रिटेन आदि ने और दक्षिण एशिया में श्रीलंका जैसे देश ने भी मानहानि के मामले को आपराधिक मामले की श्रेणी से निकाल कर सिविल यानी दीवानी मुकदमे की श्रेणी में डाल दिया है। भारत में भी इस बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए। भारत में इसकी ज्यादा जरूरत है क्योंकि इसके विस्तार और विविधता की वजह से एक हिस्से के लोग दूसरे हिस्से की संस्कृति और परंपराओं से अपरिचित होते हैं और कई बार अनजाने में ऐसी टिप्पणी कर देते हैं, जिसे मानहानिकारक माना जाता है। कई बार राजनीतिक बदले की भावना से भी किसी की टिप्पणी को तोड़ मरोड़ कर उस पर मुकदमा किया जाता है। इसे दीवानी मामला बनाने से इस समस्या का समाधान हो जाएगा।

दूसरा मुद्दा कानून के अनुपालन का है। जिस तरह कानून के मुताबिक किसी भी सांसद को दो साल या उससे ज्यादा की सजा होते ही स्वाभाविक रूप से उसकी सदस्यता समाप्त हो जाती है उसी तरह अगर ऊपरी अदालत सजा पर रोक लगा देती है और उसे निलंबित कर देती है तो स्वाभाविक रूप से सदस्यता बहाल हो जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में अपने एक फैसले में इसे साफ किया है कि सजा पर रोक लगने बाद तुरंत सदस्यता बहाल होनी चाहिए। लेकिन लक्षद्वीप के सांसद मोहम्मद फैजल के मामले में ऐसा नहीं हुआ है। उनको हत्या के प्रयास का दोषी मान कर सजा सुनाई गई। सजा सुनाते ही लोकसभा ने उनकी सदस्यता रद्द कर दी और कुछ दिन के बाद चुनाव आयोग ने उनकी सीट खाली घोषित कर दी। बाद में हाई कोर्ट ने सजा पर रोक लगा दी और फिर सुप्रीम कोर्ट ने सीट खाली करने की चुनाव आयोग की घोषणा पर रोक लगा दी। इसके बावजूद अभी तक लोकसभा सचिवालय ने मोहम्मद फैजल की सदस्यता बहाल नहीं की। सो, ऑटोमेटिक रूट से सदस्यता बहाल करने के नियम का अनुपालन भी अनिवार्य होना चाहिए। साथ ही यह भी तय होना चाहिए कि लोकसभा सचिवालय और चुनाव आयोग दोनों ऊपरी अदालत के फैसले का इंतजार करें।

नेतन्याहू ने बांट दिया यहूदियों का दिल-दिमाग!

श्रुति व्यास

चाहे कुछ समय के लिए ही सही परन्तु आखिरकार बेंजामिन नेतन्याहू को झुकना पड़ा। लेकिन इसे लोकतंत्र की जीत मानना भूल होगी। सोमवार को देर शाम नेतन्याहू नेटीवी पर अपने लाईव संबोधन में संसद में न्यायिक सुधारों पर फैसले को रोकने की घोषणा की। उनका भाषण नाटकीयता से भरपूर था। आम लोगों में अपनी लोकप्रियता बनवाए रखनो के लिए कस्टमाईज्ड था। उन्होंने इजराइल में जनता के दो फाड़ होने की तुलना उस कहानी से की जिसमें बच्चे की असली मां का पता लगाने के लिए सुलैमान बच्चे को दो टुकड़ों में काटने का हुक्म देता है।

बेंजामिन नेतन्याहूउर्फ किंग बीबी, लोकलुभावन बातों, नारों और निर्णयों में विश्वास करने वाले इजराइल के सुपरहिट पोपुलिस्ट नेता रहे है। पर अब वे देश और विदेश दोनों में घृणास्पद। अब वे यहूदियों के विभाजक, लोकतंत्र विरोधी खलनायक नेता है। वे 15 साल से अधिक सत्ता में रह चुके हैं और सत्ता के नशे की गिरफ्त में है। अब सत्ता के बिना रह पाना उनके लिए संभव नहीं है। जिस तरह प्रधानमंत्री पद से उनकी विदाई अस्थाई थी उसी तरह सुधारों पर उनकी रोक भी अस्थायी है। बीबी को उम्मीद है कि देश में जो उबाल आया है, वह पासओवर (एक यहूदी त्यौहार) और उसके बाद के चंद हफ्तों में ठंडा पड़ जाएगा और तब उन्हें अपने आप को और अपनी सत्ता को बचाने का समय मिल जाएगा। उनके लिए देश को बचाने से अधिक जरूरी खुद को बचाना है।

बीबी पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं और उन पर मुकदमे चल रहा है। इसके चलते उन्हें लोकतंत्र में स्वंतत्र वजूद वाली न्यायपालिका से खासी एलर्जी है। इजराइल में बढ़ते जनाक्रोश से दुनिया में भी चिंता है। बीबी इसलिए भी दु:खी हैं क्योंकि उनकी छवि और प्रतिष्ठा पर आंच आई है। छठवीं बार सत्ता में आने के बाद उनके लक्ष्यों में ईरान के बढ़ते क़दमों को रोकना, जीवनयापन के लिए जरूरी खर्च घटाना, देश की सुरक्षा और शासन व्यवस्था को पहले जैसा बनाना और अरब देशों के साथ शांति प्रस्तावों को विस्तार देने की प्राथमिकता थी। परंतु इनमें से कुछ भी हासिल नहीं हो सका है। बल्कि उनकी काबिलियत पर अब प्रश्नचिन्ह हैं। नेतन्याहू के जीवनी लेखक और 'हारेत्जÓ नामक अखबार, जो इजराइल का प्रमुख और काफी हद तक स्वतंत्र अखबार है, में स्तंभलेखक अंशेल फेफर ने 'गार्जियन' से कहा, "पहले बीबी के इस तरह से पीछे हटने के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता था। वे कभी हालात को इस हद तक बिगडऩे ही नहीं देते कि चीज़ें उनके हाथ से निकल जाएं।'

बीबी अपनी राजनैतिक चतुराई के लिए जाने जाते हैं। उन्हें लोगों के मन की बात पढऩा आता है और वे बहुत धूर्तता से जनभावनाओं का इस्तेमाल अपने लाभ के लिए करना जानते हैं। इसलिए जब इजराइल में विरोध प्रदर्शन जोर पकडऩे लगे तो देश के अंदर और बाहर लोग आश्चर्य में है। नेतन्याहू यह समझ ही नहीं सके कि जनता में उनके खिलाफ कितना गुस्सा है और यह भी कि उनके स्वयं के सत्ताधारी गठबंधन में उन्हें पूर्ण समर्थन प्राप्त नहीं है। उन्होंने अपने रक्षामंत्री योव गेलेंट को बर्खास्त किया। वह इसलिए क्योंकि गेलेंट ने नए कानून के कारण सेना में मचे हंगामे और रिजर्व सैनिकों की अपनी सेवाएं न देने की घोषणा के मद्देनजऱ नए कानून को कुछ समय के लिए रोकने की मांग की थी। इन सबसे नेतन्याहू की राजनैतिक कमजोरी और अयोग्यता जाहिर हुई, जो पहले कभी नहीं देखी गई थी।

जाहिर है कि किसी भी चीज की अति नुकसानदेह होती है और किस्मत हमेशा किसी का साथ नहीं देते।

पर लगता है वे इतनी जल्दी हार नहीं मानेंगे। हाँ, वे अपने इरादों को हासिल करने की समय सीमा जरूर बढ़ा देंगे। वे अब थोड़ा हौले-हौले चलेंगे। अभी के लिए शायद वे यह मंजूर कर लें कि केनेसेट (संसद) को साधारण बहुमत से सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को रद्द करने का अधिकार न दिया जाए। परंतु वे जजों के चयन में कार्यपालिका के अधिक हस्तक्षेप को संभव बनाने वाले कानून लागू करेंगे। साथ ही अदालतों को इजराइल के बेसिक लॉस की चौकसी करने के अधिकार से वंचित कर देंगे।

अब तक बीबी न्याय व्यवस्था में परिवर्तन के देश में विरोध से निपटने में बहुत रूचि नहीं ले रहे थे क्योंकि यह उनका व्यक्तिगत एजेंडा नहीं था। यह लिकुड पार्टी के उनके साथी, न्याय मंत्री यारिव लेविन और रिलीजियस जायोनिस्ट पार्टी के एमके सिमचा रोटमेन, जो केनेसेट की न्याय और विधि समिति के अध्यक्ष हैं, की प्राथमिकता है। ये दोनों लंबे समय से इजराइल की शीर्षतम अदालत से विचारधारा के स्तर पर घोर नफरत करते हैं। उनका मानना है कि सुप्रीम कोर्ट को जरूरत से ज्यादा शक्तियां प्राप्त हैं और वह दक्षिणपंथियों के विरूद्ध पूर्वाग्रहग्रस्त है। यह सही है कि प्रस्तावित सुधार बीबी को जेल से बाहर रखने में मदद करेंगे परंतु अनेक झंझावातों से सुरक्षित निकल चुके नेतन्याहू जानते हैं कि किसी भी लक्ष्य को हासिल करने के कई तरीके होते हैं।

वैधानिक सूचना

उत्तराखंड प्रहरी के संपादन में हम प्रयासरत है कि हमारी ओर से खबर में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि न हो। हमारी कोशिश है कि अखबार में छपी किसी खबर, रिपोर्ट, फीचर या लेख से व्यक्ति विशेष, संगठन या समुदाय की भावना को ठेस न पहुंचे। **उत्तराखंड प्रहरी** में प्रकाशित लेख, विश्लेषण और साभार, ली गई सामग्री के विचार संबंधित लेखकों और रचनाकारों के निजी विचार हैं, न कि अखबार के। अतः सभी पाठकों से आग्रह है कि वे किसी सूचना, समाचार, विज्ञापनों आदि के आधार पर कोई फैसला करने से पहले तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। उसके लिए किसी भी प्रकार से लेखक, संपादक, प्रकाशक, प्रिंटर या विक्रेता को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है। तथा किसी भी कारोबारी और निज निर्णय के लिए **उत्तराखंड प्रहरी** जिम्मेवार नहीं होगा।

अवैध खनन करने वालों पर राजस्व और खनन विभाग का चला चाबुक

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। अवैध खनन करने वालों के खिलाफ राजस्व विभाग विभाग ने निगाहें टेढ़ी करनी है। जिलाधिकारी हरिद्वार के आदेश पर एसडीएम पूरन सिंह राणा द्वारा गठित हरिद्वार तहसील वह खनन विभाग की टीम ने अवैध खनन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की पांच स्टोन क्रशरों के साथ ही दो वाहनों को सीज किया है। जिससे खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया। टीम को देखते ही खनन माफिया मौके से भाग निकले प्रशासन की टीम में अवैध खनन करने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। राजस्व विभाग और खनन विभाग की टीम तहसील हरिद्वार के भोगपुर, टाडा भागमल क्षेत्र में शुक्रवार की रात से ही गस्त कर रही थी।

गस्त उपरांत आज सुबह से ही औचक निरीक्षण शुरू किया गया। भोगपुर क्षेत्र में महादेव स्टोन, तेजस स्टोन, शिवा स्टोन, हिमगंगे स्टोन व सेंचुरी पार्क स्टोन क्रशर में अवैध खनन से जमा उपखनिज आरबीएम तथा पोर्टल से अधिक उपखनिज प्लांट परिसर में पाये जाने पर तत्काल टीम द्वारा सीज कर दिया गया है। मौके पर बरसात के होने के बाबजूद भी टीम ने कार्यवाही जारी रखी। मौके पर पैमाइश की आख्या तैयार कर जिलाधिकारी हरिद्वार को प्रेषित की जायेगी। सम्बंधित प्लांटों पर जुर्माना वसूला जायेगा। खनन विभाग की टीम ने सुबह हरिद्वार, लक्सर, भोगपुर मार्ग पर औचक निरीक्षण के दौरान एक ट्रैक्टर सं0- UK08-6783 में 6 घन मीटर अवैध रेत उपखनिज बिना रवन्ना के पाये जाने पर पुलिस चौकी फेरुपुर में सुपुर्द किया। भोगपुर में एक ट्रक सं0- UK08 CB 6285 को अवैध 15 घन मी0 रोड़ी/डस्ट बिना रवन्ना पाये जाने पर सीज कर श्री शिव गंगा स्टोन क्रेशर, भोगपुर के मुंशी को सुपुर्द किया गया है। अवैध खनन के खिलाफ लगातार कार्यवाही गतिमान है। खनन अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि तहसील प्रशासन की टीम के साथ अवैध खनन को लेकर जांच की जा रही है। जहां जहां भी वितरण किया गया है वहां पैमाइश चल रही है।

अवैध खनन करने वालों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई: प्रदीप कुमार

टीम ने पांच स्टोन क्रेशर और दो वाहनों को किया सीज

फिलहाल पांच स्टोन क्रशर और दो वाहनों को सीज किया गया है। अवैध खनन की जांच में जिला खनन अधिकारी प्रदीप कुमार, हरिद्वार तहसीलदार रेखा आर्य, राजस्व उपनिरीक्षक देवेश घिल्डियाल/नितिन, खान निरीक्षक मनीष कुमार, विजय सिंह सहित टीम उपस्थित रही।

संग्रह अमीन के खिलाफ भारतीय किसान मजदूर उत्थान यूनियन ने खोला मोर्चा

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

अमीन पर प्रमाण पत्रों पर रिपोर्ट लगाने के नाम पर पैसे मांगने के लगाए आरोप

एसडीएम से मिलकर करेंगे वार्ता, कार्रवाई न होने पर धरने पर बैठेंगे किसान

हरिद्वार। भारतीय किसान मजदूर उत्थान यूनियन ने हरिद्वार तहसील में तैनात किशनपुर के संग्रह अमीन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जाति प्रमाण पत्र और अन्य प्रमाण पत्रों में रिपोर्ट लगाने के नाम पर आवेदकों से पैसे मांगने का आरोप लगाया है। अनेकों आवेदकों से पैसे मांगने की शिकायतें यूनियन के पास पहुंची है। इस मामले में सोमवार को भारतीय किसान मजदूर उत्थान यूनियन के पदाधिकारी एसडीएम से मुलाकात कर वार्ता करेंगे। इस मामले में कार्रवाई न होने पर किसान जल्द अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगे। प्रेस को बयान जारी करते हुए भारतीय किसान मजदूर उत्थान यूनियन के प्रदेश संयोजक राजेंद्र प्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि किशनपुर के संग्रह अमीन स्वतंत्र कुमार जाति, आय और मूल निवास प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करने वाले लोगों का उत्पीड़न कर रहे हैं। प्रमाण पत्रों पर रिपोर्ट लगाने की एवज में लोगों से पैसों की मांग की जा रही है। इस तरह की एक नहीं तमाम शिकायतें मिली है। कई लोगों ने यूनियन को भी इससे अवगत कराया है। उन्होंने कहा कि लेखपालों के पास से प्रमाण पत्रों पर रिपोर्ट लगाने की व्यवस्था लिए जाने के बाद से स्थिति ज्यादा बिगड़ गई है लेखपालों के समय में इस तरह की शिकायतें बिल्कुल भी नहीं आती थी लेकिन संग्रह अमीनों के व्यवस्था संभालने के बाद से ही प्रमाण पत्रों पर रिपोर्ट लगाने के लिए प्रमाण पत्रों को लेकर ज्यादा दिक्कतें आ रही हैं। राजेंद्र प्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि किशनपुर के संग्रह अमीन स्वतंत्र कुमार की शिकायत लगातार सामने आ रही हैं। पैसे न देने पर आवेदकों को चक्कर कटवाए जा रहे हैं। रिपोर्ट नहीं लगने से प्रमाण पत्र समय से नहीं बन पा रहे हैं। जिससे बच्चों को स्कूल में प्रवेश लेने के साथ ही कई योजनाओं में आवेदन करने में परेशानी उठानी पड़ रही है। ऐसे में अभिभावकों के साथ ही बच्चों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रोजाना तहसील के चक्कर काट काट कर थक रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में उपजिलाधिकारी से मिलकर सोमवार को वार्ता की जाएगी। अगर एसडीएम की ओर से मामले में सकारात्मक कार्यवाही का आश्वासन नहीं दिया गया तो भारतीय किसान मजदूर उत्थान यूनियन अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने को मजबूर होगी।

जहां सास बहू में प्रेम होता है वहां भगवान राम का वास होता है: हरिदास महाराज

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। कथा व्यास हरिदास जी महाराज ने कहा कि जहां सास बहू में प्रेम होता है वहां भगवान श्रीराम का वास होता है। उन्होंने कहा सास बहू के मध्य परस्पर प्रेम नहीं होने के चलते परिवार बिखर जाते हैं। इसलिए सास बहू को आपस में सामांजजस्य बनाकर परिवार को संभालना चाहिए। ऐसा करने वाले परिवार पर सदैव राम की कृपा बरसती है।

गौरतलब है कि श्री बालाजी धाम सिद्धबली हनुमान नर्मदेश्वर महादेव मंदिर के प्रांगण में चल रही संगीतमय श्री राम कथा के छठे दिन कथा व्यास हरिदास महाराज ने सीता स्वयंवर , लक्ष्मण परशुराम संवाद एवं राम जानकी विवाह का प्रसंग सुनाकर लोगों को भावविभोर कर दिया। इस मौके पर स्वामी आलोक गिरी महाराज ने कहा भगवान राम करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र है। उनके जीवन चरित्र को सुनकर एवं अपनाकर मनुष्य अपना इह लोक और परलोक दोनों सुधार सकते हैं। उन्होंने कहा हनुमान जयंती के उपलक्ष में आयोजित श्री रामचरितमानस कथा ज्ञान यज्ञ में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित होकर श्री राम कथा का आनंद ले रहे हैं।श्री राम कथा में महंत केदार गिरी महाराज, स्वामी उमेश भारती, स्वामी मधुरबन , स्वामी विश्वेश्वर पुरी, पुजारी मनकामेश्वर गिरी बाबा शंकर गिरी पूर्वांचल समाज से वीके त्रिपाठी, राज तिवारी, विवेक तिवारी, ऐश्वर्या पांडे, अवधेश झा, विष्णु देव ठेकेदार, कामेश्वर यादव, शशि भारद्वाज संजीव राणा संजय चौधरी कालका प्रसाद कोठारी रमेश रावत पंडित विनय मिश्रा पंडित सोहन चंद्र ढोंढियाल, पंडित विनय मिश्रा, सुमन जानकी पुष्पा बरखा राजबाला सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस मौके पर बाल कलाकारों ने भगवान राम के जीवन पर आधारित सुंदर नाटक प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया। आलोक गिरी ने सभी बच्चों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया।

मसूरी-देहरादून हाईवे पर दर्दनाक हादसा, खाई में गिरी रोडवेज बस; दो की मौत व कई घायल

मसूरी। मसूरी देहरादून हाईवे पर रविवार दोपहर को दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक रोडवेज बस खाई में गिर गई। मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे में दो महिलाओं की मौत हुई है, जिसमें से एक की उम्र करीब 55 वर्ष और दूसरी की उम्र 18 वर्ष बताई जा रही है। हादस में कई लोग घायल हुए हैं। कुछ को देहरादून भेजा गया है, वहीं कुछ का मसूरी के अस्पताल में इलाज चल रहा है।

मजिस्ट्रेट जांच के निर्देश

जिलाधिकारी सोनिका दून अस्पताल पहुंचीं। जहां उन?होंने दो की मौत की पुष्टि की। वहीं उन?होंने मजिस्ट्रेट जांच के निर्देश भी दिए। उन्होंने बताया कि सात घायलों को मैक्स पताल ले जाया गया था। जिनमें से दो कि रास्ते में ही मौत हो गई। पांच का इलाज चल रहा है। इनमें से तीन बिल्कुल ठीक है और दो का सिटी स्कैन कराया जा रहा है। इनकी हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं दो घायलों को दून अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिनकी हालत सामान्य बनी है। करीब 20 घायल मसूरी अस्पताल में बताए गए हैं। जिनमें से 14 को दून लाया गया। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी दून अस?पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना।

मदद के लिए खाई में उतरे स्थानीय लोग

हादसा रविवार को दोपहर 12 बजे बाद हुआ। बस खाई में गिरने की आवाज सुनते ही स्थानीय लोग मदद के लिए खाई में उतरे, लेकिन राहत-बचाव कार्य में उन्हें कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

लगभग 40 लोग थे उत्तराखंड रोडवेज बस में सवार

हादसा मसूरी से पांच किमी पहले मसूरी देहरादून हाईवे पर शेर घड़ी के पास हुआ। बताया गया कि लगभग 40 लोग बस में सवार थे। बस मेसानिक लॉज बस स्टैंड से देहरादून के लिए चली थी।

हादसे के कारणों का पता लगा रही पुलिस

आइटीबीपी, एसडीआरएफ, फायर और पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से खाई से लोगों को निकाला। एसडीएम नंदन कुमार, आइटीबीपी डायरेक?टर पीएस डंगवाल भी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस

हादसे के कारणों का पता लगा रही है। बताया कि बस मसूरी से देहरादून लौट रहीं थी कि तभी रास्ते में शेर घड़ी के पास 100 मीटर गहरी खाई में गिर गई। हादसे की जगह दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। देहरादून मसूरी हाईवे पर भारी जाम की स्थिति बनी रही।

108 इमरजेंसी सेवा भी मौके पर मौजूद रही

घायलों की मदद के लिए के लिए 108 इमरजेंसी सेवा भी मौके पर मौजूद रही। वहीं हादसे की खबर से मसूरी से लेकर देहरादून तक हड़कंप मच गया।

घायलों के नाम

1- भूपेंद्र मालिक पुत्र देवेंद्र मालिक 32 वर्ष (चालक) निवासी जिंद हरियाणा

2- विक्रम बिष्ट पुत्र मुकुंद बिष्ट 34 वर्ष (परिचालक) निवासी निकट रिस्पना पुल

शाह बिहार पहुंचे, सासाराम का दौरा रद्द होने को लेकर भाजपा और जदयू के बीच आरोप-प्रत्यारोप

पटना। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को बिहार पहुंचे और सांप्रदायिक तनाव के कारण उनके रविवार के एक कार्यक्रम को रद्द किए जाने को लेकर भाजपा और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू के बीच आरोप-प्रत्यारोप लगाए गए। शाह पटना शहर के एक होटल में ठहरे हुए हैं, जहां उन्होंने देर शाम प्रदेश भाजपा नेताओं से मुलाकात की। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के पटना फ्रंटियर का रविवार को प्रस्तावित दौरा रद्द कर दिया गया है। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि जिस समारोह में शाह एसएसबी के नौ प्रतिष्ठानों को जनता को समर्पित करने और पटना फ्रंटियर के नए भवन के लिए भूमि पूजन करने वाले थे, उसे अपरिहार्य कारणों से रद्द कर दिया गया है।

शनिवार की शाम को यहां पहुंचे गृह मंत्री शाह अब एक जनसभा को संबोधित करने के वास्ते रविवार दोपहर में नवादा जिले के हिसुआ के लिए रवाना होंगे।

भाजपा के प्रमुख रणनीतिकार माने जाने वाले शाह को रोहतास जिले के सासाराम शहर में आयोजित एक समारोह में भी भाग लेना था।

अजय बंगा : विश्व बैंक के अध्यक्ष पद पर पहुंचने वाले पहले भारतवंशी

नई दिल्ली, (भाषा)। दुनियाभर के विकासशील देशों को नीति सुधार कार्यक्रमों और विकास परियोजनाओं के लिए कर्ज देने वाले विश्व बैंक के बारे में ज्यादा मालूमात करें तो पता चलता है कि 1944 में संस्था की स्थापना के बाद से केवल अमेरिकी नागरिकों को ही इसके अध्यक्ष पद पर चुना गया है। इस बार भी इसी परंपरा का पालन किया गया, लेकिन इसमें भारत का नाम भी जुड़ा है। दरअसल, विश्व बैंक के अध्यक्ष पद के लिए नामित अजयपाल सिंह बंगा भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने फरवरी में बंगा को इस अहम पद के लिए नामित करने की घोषणा की थी। वह इस पद पर नियुक्त होने वाले भारतीय मूल के पहले व्यक्ति होंगे। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की स्थापना के बाद से अब तक भारतीय मूल का कोई भी व्यक्ति इस पद पर नहीं पहुंचा है। विश्व बैंक की कमान जहां अमेरिकी नागरिक के हाथों में होती है, वहीं आईएमएफ का अध्यक्ष यूरोपीय नागरिक ही होता है। विश्व बैंक और इसके अध्यक्ष पद की अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि संयुक्त राष्ट्र से जुड़ी इस संस्था की स्थापना का तात्कालिक उद्देश्य द्वितीय विश्वयुद्ध और विश्वव्यापी संकट से जूझ रहे देशों की मदद करना था। इस समय दुनिया के 189 देश विश्व बैंक के सदस्य हैं। बंगा को विश्व बैंक के अध्यक्ष पद के लिए नामित तो फरवरी में कर दिया गया था, लेकिन इस पद के लिए आवेदन की तारीख 29 मार्च थी। किसी भी अन्य देश द्वारा इस पद के लिए दावेदारी पेश नहीं किए जाने के कारण बंगा का विश्व बैंक का अध्यक्ष बनना तय हो गया है। हालांकि, औपचारिक रूप से इस पद पर उनकी नियुक्ति का ऐलान करने से पहले विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशक मंडल द्वारा मास्टरकार्ड इंक के मुख्य कार्यकारी बंगा का साक्षात्कार लिया जाएगा।

इस संबंध में विश्व बैंक की एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है, "बोर्ड को एक नामांकन प्राप्त हुआ है और वह घोषणा करना चाहता है कि इस पद के लिए अमेरिकी नागरिक अजय बंगा के नाम पर विचार किया जाएगा। तय प्रक्रियाओं के अनुसार, कार्यकारी निदेशकों का बोर्ड वाशिंगटन में उम्मीदवार का औपचारिक साक्षात्कार लेगा और उम्मीद है कि इसके बाद अध्यक्ष पद के लिए चयन की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।"

खनन के भारी भरकम डंपरो ने नगर का मुख्य मार्ग किया ध्वस्त,

नगर वासियों ने किया विरोध प्रदर्शन

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार । नवोदय नगर वासियों ने नवोदय नगर संघर्ष समिति के बैनर तले विगत 4 माह से नवोदय नगर सुखी नदी से खनन के डंपर मुख्य मार्ग से लगातार चल रहे हैं। जिन्होंने मुख्य मार्ग को पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया। जिससे तंग आकर नवोदय नगर वासियों ने विरोध प्रदर्शन किया करते हुए डंपरों को रोका।

साथ ही नवोदय नगर वासियों ने प्रशासन से मांग की है कि खनन के डंपर मुख्य मार्ग से चलना बंद हो और सरकार प्रशासन यह भी जांच करें कि खनन अगर मानक के अनुरूप हो रहा है या अवैध खनन हो रहा है। जिस पर तत्काल खनन को बंद करें। और सुखी नदी में एक तटबंध बनाएं जिससे नवोदय नगर का बचाव हो सके। आज नवोदय नगर पूरी तरह संकट में है और नवोदय नगर से प्रशासन द्वारा करोड़ों का खनन कमाया गया ,लेकिन आज

तक एक रुपया भी नवोदय नगर में नहीं लगा, मुख्य मार्ग पूरी तरह डंपरो ने तोड़ दिया है। विरोध प्रदर्शन करने वालों में सभासद सिंह पाल सिंह सैनी, कुंवर सिंह बिष्ट, अतोल सिंह गुसाईं, उपेंद्र श्रीवास्तव, विशाल वालिया ,जयकिशन न्यूली ,आर्यन मिश्रा, रमेश ,दिनेश चंद्र पांडे ज्ञानेंद्र चौहान, ओंमकार त्यागी,आशु वालिया, महावीर रावत ,अर्जुन सिंह, हेमंत राय ,रवि ,रिटा कैप्टन मान सिंह रावत,ज्ञानैद्र चौहान, महेश, अतुल नेगी,हेमंत राय,अजय तिवारी, आर एन मिश्रा ,सुरेंद्र त्यागी, योगेंद्र सैनी ,मुकेश राणा , धर्मेंद्र ,प्रवीन रावत, रोशन कुमार ,अजय तिवारी, राम कुशवाह ,सुभाष सिंह रावत,श्याम सुंदर गुप्ता आदि सैकड़ों क्षेत्रवासी धरना स्थल पर मोजूद रहे।

गोयल का राज्यों से खरीदारी के लिए जेम पोर्टल का पूरा लाभ उठाने का आह्वान

नयी दिल्ली, (वार्ता)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने वित्तीय वर्ष 2022-2023 के दौरान, सरकारी ई-वाणिज्य पोर्टल 'गवर्नमेंट ई मार्केटप्लेस' (जेम) पर सरकार के विभागों और संगठनों द्वारा 31 मार्च 2023 को समाप्त वित्त वर्ष में वस्तुओं और सेवाओं की खरीद का आंकड़ा दो लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार करने पर उसे बधाई दी है और सभी राज्य सरकारों से अपनी खरीद के लिए इस पोर्टल का पूरा लाभ उठाने का आह्वान किया है।

गोयल ने जेम की उपलब्धियों पर शनिवार को एक आनलाइन संवाददाता सम्मेलन कहा, "इस पोर्टल पर आज कई राज्य भी जुड़ गए हैं, पर कुछ राज्यों ने इसका यह कह कर विरोध किया है कि उन्होंने अपना खुद का आनलाइन मंच बना रखा है।" संवाददाता सम्मेलन को जेम के मुख्य कार्यकारी पी.के. सिंह ने भी संबोधित किया। उन्होंने बताया कि जेम पर कुल आपूर्ति का सकल मूल्य (जीवीएम)3.9 लाख करोड़ रुपये को पार कर लिया है। श्री गोयल ने कहा कि उनके मंच हो सकते हैं, पर उनका दायरा सीमित है क्योंकि उन पर जुड़े विक्रेताओं की संख्या सीमित है। जेम में देश भर के विक्रेता तथा सेवा प्रदाता जुड़े हैं। यहां कीमतें अच्छी मिल सकती हैं। श्री गोयल ने कहा कि 'देश का पैसा देश हित में अच्छी तरह खर्च होना चाहिए।' गोयल के पास उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा कपड़ा मंत्रालय का भी प्रभाग है। उन्होंने कहा कि सरकारी खरीद के इस तेजी लोकप्रिय हुए पारदर्शी ई-बाजार मंच पर पांच साल में हुई खरीदारी में 35,000 करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई है।

उन्होंने जनता और राष्ट्रीय हित में इस डिजिटल मंच जेम की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जेम उस गति का प्रतीक है, जिससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आधुनिक तकनीक के जरिए देश को आगे ले गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री चाहते हैं कि सरकारी विभागों की खरीद को उच्चतम स्तर की ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ चलाया जाए, जिसमें देश के दूरस्थ कोनों से लोगों की भागीदारी हो और यह महिला उद्यमियों, स्टार्टअप और एमएसएमई क्षेत्र को सरकारी खरीद के मेले भाग लेने में सक्षम बनाता हो। उन्होंने अधिक से अधिक वेंडर्स (आपूर्तिकर्ताओं) से जेम से जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि 2017 में जेम पोर्टल लॉन्च होने के बाद पहले साल इस पर 400 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ और दूसरे साल यह 5800 करोड़ रुपए पर पहुंच गया था। मंत्री ने बताया कि जेम के माध्यम से कारोबार दो साल पहले लगभग 35000 करोड़ रुपये से बढ़ा है और पिछले साल तीन गुना बढ़कर एक लाख छह हजार करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने कहा कि पांच साल में दो लाख करोड़ रुपये की वृद्धि दर्शाती है कि प्रधानमंत्री का यह प्रयोग सफल रहा है। मंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि भारत ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए कुल निर्यात 750 अरब डॉलर को पार कर लिया है और अंतिम आंकड़ा 765 अरब डॉलर को पार करने की उम्मीद है। जेम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सिंह ने बताया कि इस ई-वाणिज्य मंच पर लेनदेन की कुल संख्या भी 1.47 करोड़ को पार कर गई है। इस मंच के माध्यम से 67,000 से अधिक सरकारी खरीदार संगठनों की विविध खरीद आवश्यकताओं को पूरा किया जा रहा है तथा इस पर शिकायत निराकरण की एक प्रभावकारी व्यवस्था की गयी है। पोर्टल में 32 लाख से अधिक सूचीबद्ध उत्पादों के साथ 11,700 से अधिक उत्पाद श्रेणियां हैं, साथ ही 2.8 लाख से अधिक सेवा पेशकशों के साथ 280 से अधिक सेवा श्रेणियां हैं। विभिन्न अध्ययनों के आधार पर, प्लेटफॉर्म पर न्यूनतम बचत लगभग 10 प्रतिशत है, जो 40,000 करोड़ रुपये के सार्वजनिक धन की बचत में तब्दील होती है।

हर वर्ल्ड इंडिया, हीलिंग होम वेलनेस जगह-जगह करेंगे 'आंतरिक सौंदर्य सम्मेलन'

नोएडा, (वार्ता)। हीलिंग होम वेलनेस महिलाओं के मुद्दों पर काम करने वाले संगठन 'हर वर्ल्ड इंडिया' के साथ संयुक्त रूप से पूरे देश में आंतरिक सौंदर्य को सशक्त बनाने के विषय पर आधारित सम्मेलनों की मेजबानी करेगा। दोनों संगठनों की ओर से जारी एक बयान के अनुसार शुक्रवार को नोएडा में इस सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। बयान में कहा गया है, "हम संयुक्त रूप से कल्याण की यात्रा शुरू करेंगे और महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देंगे।" उनका कहना है कि भारत की आजादी के अमृत-काल में लैंगिक समानता का मुद्दा और सर्वांगीण विकास अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। जी20 की भारत की अध्यक्षता के वर्ष में विश्व में स्वास्थ्य एवं वेलनेस (कल्याण) के लिए भारत ने योग और आयुर्वेद को बढ़ावा देने का बीड़ा उठाया है।

टीवी पत्रकार राखी बख्शी द्वारा स्थापित संगठन हर वर्ल्ड इंडिया महिलाओं की 'आंतरिक सुंदरता' उसके गुणों और लक्षणों के प्रोत्साहन पर काम करता है। संगठन इस मान्यता पर चलता है कि आत्मिक और शरीर सौंदर्य-दोनों मिलकर व्यक्तित्व को अधिक समग्र रूप प्रदान करते हैं। हीलिंग होम वेलनेस के साथ समझौते पर हर वर्ल्ड इंडिया की प्रधान संपादक सुश्री बख्शी ने कहा कि वह इस पहल को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, "आंतरिक सुंदरता में दया, सहानुभूति, अखंडता, करुणा, उदारता और समग्रता जैसे लक्षण शामिल हैं। यह पहल-मानसिक और शारीरिक दोनों स्वास्थ्य के बारे में है।"

हीलिंग होम वेलनेस की फाउंडर डॉक्टर रुचि अग्रवाल ने कहा, " हम शुद्ध आयुर्वेद को जनता के सामने लाने में विश्वास करते हैं। हमें रसायन मुक्त जीवन शैली को बढ़ावा देना चाहिए और एलोपैथिक दवाइयों पर निर्भरता कम करनी चाहिए।"

आरटीई के तहत अब 12वीं कक्षा तकके छात्रों को भी निःशुल्क शिक्षा

जयपुर, (वार्ता)। राजस्थान में अब निजी विद्यालयों में 12वीं कक्षा तक के छात्रों को भी निःशुल्क शिक्षा मिलेगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत अध्ययनरत छात्रों की फीस पुनर्भरण के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। इस पर 46 करोड़ रुपए का व्यय होगा। आरटीई के माध्यम से कक्षा एक से आठ तक के विद्यार्थियों के लिए ही निःशुल्क शिक्षा का प्रावधान है। श्री गहलोत द्वारा गत बजट में राज्य सरकार के खर्चे पर छात्राओं के लिए कक्षा 9 से 12वीं तक निजी विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा जारी रखने का प्रावधान किया था। इसी क्रम में अब छात्रों को भी कक्षा एक से 12 तक आरटीई के तहत निजी विद्यालयों में प्रवेश लेने पर निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2023-24 के बजट में इस संबंध में घोषणा की गई थी। राज्य सरकार द्वारा विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर अहम निर्णय लिए गए हैं। इनमें महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, मुख्यमंत्री निःशुल्क यूनिफार्म योजना, मुख्यमंत्री बाल-गोपाल योजना सहित कई योजनाएं शामिल हैं।

आरबीआई की मौद्रिक नीति से तय होगी बाजार की चाल

मुंबई (वार्ता)। अमेरिका में बैंकिंग संकट टलने की उम्मीद में वैश्विक बाजार की जबरदस्त तेजी से स्थानीय स्तर पर हुई मजबूत लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह ढाई प्रतिशत की छलांग लगा चुके घरेलू शेयर बाजार की अगले सप्ताह दिशा निर्धारित करने में रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समीक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1464.42 अंक यानी 2.55 प्रतिशत की तेजी लेकर सप्ताहांत पर 58991.52 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 414.7 अंक अर्थात 2.45 प्रतिशत की छलांग लगाकर 17359.75 अंक पर रहा।

समीक्षाधीन सप्ताह में दिग्गज कंपनियों की तरह बीएसई की मझौली कंपनियों में भी जमकर लिवाली हुई। इससे मिडकैप 432.03 अंक की उड़ान भरकर सप्ताहांत पर 24065.59 अंक और समॉलकैप 190.01 अंक मजबूत होकर 26957.01 अंक पर पहुंच गया।

विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका के संकटग्रस्त सिलिकन वैली बैंक के जमा और ऋणों की फर्स्ट सिटिजंस बैंक द्वारा सफलतापूर्वक खरीद के बाद बैंकिंग संकट के टलने मिलने की उम्मीद है बढ़ी है। इससे वैश्विक बाजार में तेजी आई, जिससे दोनों मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में बीते सप्ताह तेजी का रुख रहा। वैश्विक स्तर पर बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े घटनाक्रम का बाजार पर अगले सप्ताह भी असर रहेगा। स्थानीय स्तर पर अगले सप्ताह आरबीआई के चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक होने वाली है। नीतिगत दरों में लगातार पांच बार की वृद्धि के बाद मौजूदा आर्थिक परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए उम्मीद की जा रही है कि आरबीआई इस बार ब्याज दरों को स्थिर रख सकता है। हालांकि वैश्विक परिदृश्य के मद्देनजर यदि नीतिगत दरों में वृद्धि भी हुई तो वह 0.25 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। अगले सप्ताह इसका असर भी बाजार पर रहेगा। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमत, डॉलर सूचकांक एवं एफआईआई के निवेश प्रवाह पर भी निवेशकों की नजर रहेगी।

विदेशी मुद्रा भंडार 5.98 अरब डॉलर बढ़कर 578.8 अरब डॉलर पर

मुंबई (वार्ता)। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में वृद्धि से 24 मार्च को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5.98 अरब डॉलर बढ़कर लगातार दूसरे सप्ताह बढ़ता हुआ 578.8 अरब डॉलर पर पहुंच गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 12.8 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 572.8 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 24 मार्च को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 4.4 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 509.73 अरब डॉलर हो गयी। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार में 1.4 अरब डॉलर की भारी वृद्धि हुई, जिससे यह बढ़कर 45.5 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में 20.1 करोड़ डॉलर की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 18.42 अरब डॉलर हो गया।

श्रीलंका का सीधा वनडे वर्ल्ड कप खेलने का टूटा सपना, जिम्बाब्वे से खेलना होगा क्वॉलिफायर

हैमिलटन। तीसरे वनडे में न्यूजीलैंड से हारने के बाद श्रीलंका का सीधा वर्ल्ड कप खेलने का सपना भी टूट गया। न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की वनडे सीरीज को 2-0 से जीत लिया है। हारने के बाद श्रीलंका रैंकिंग में टॉप-8 में आने की रेस से पिछड़ गई है और इस तरह उन्हें अब वर्ल्ड कप के मुख्य टूर्नामेंट में क्वॉलिफाई करना पड़ेगा। क्वॉलिफाइंग टूर्नामेंट जिम्बाब्वे में होगा। जहां वो अन्य टीम के साथ क्वॉलिफाई मुकाबले में नजर आएगी।

श्रीलंका के इतिहास में उन्हें आईसीसी द्वारा मान्यता (1981) मिलने के बाद पहली बार क्वॉलिफाइंग टूर्नामेंट खेलना होगा। आखिरी बार पूर्व चैंपियन श्रीलंका को 1979 के बाद पहली बार वर्ल्ड कप खेलने के लिए क्वॉलिफाइंग टूर्नामेंट खेलेगी। श्रीलंका के कप्तान शनाका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला लिया। हालांकि, श्रीलंका के बल्लेबाजों ने टीम को निराश किया और केवल 157 रन ही बना पाई। श्रीलंका की ओर से पथुम निशंका ने सबसे ज्यादा 57 रन बनाएं। निशंका के अलावा कोई बल्लेबाज 50 का आंकड़ा पार नहीं कर पाया। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों ने श्रीलंका के नौ विकेट अपने नाम किए।

पंजाब ने हराया कोलकाता, डकवर्थ लुइस नियम से सात विकेट से दी मात

मोहाली। पंजाब किंग्स ने आईपीएल के 16वें सीजन में जीत से शुरुआत की है। टीम ने वर्षा बाधित मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स को डकवर्थ-लुइस मैथड के अनुसार सात रन से हराया। मोहाली के मैदान पर कोलकाता ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब किंग्स ने 20 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 191 रन बनाए। जवाब में कोलकाता ने 16 ओवर में सात विकेट पर 146 रन बनाए ही थे कि बारिश आ गई और खेल रोकना पड़ा। फिर डकवर्थ-लुइस नियम के तहत मुकाबला पंजाब ने सात रन से जीत लिया। पंजाब किंग्स के लिए तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कमाल की गेंदबाजी की। उन्होंने अपने पहले ही ओवर में मंदीप सिंह (दो रन) और अनुकूल रॉय (4 रन) को चलता कर दिया। फिर अद्र्धशतक की ओर बढ़ रहे वेंकटेश अय्यर (34 रन) को पैवेलियन लौटाया। अर्शदीप ने सटीक गेंदबाजी की। उन्होंने तीन ओवर में 19 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं श्रीलंकाई बल्लेबाज भानुका राजपक्षे ने लीग में अपना पहला अद्र्धशतक जमाया।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी सलीम दुर्रानी का निधन, 88 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी सीलम दुर्रानी का 88 साल की उम्र में निधन हो गया। सलीम दुर्रानी भारतीय टीम में ऑलराउंडर की हैसियत से खेलते थे। वह आक्रामक बैटिंग के अलावा ऑफ स्पिन बॉलिंग भी करते थे। सलीन दुर्रानी के निधन पर क्रिकेट जगत शोक में डूब गया है।

बता दें कि सलीम दुर्रानी का जन्म 11 दिसंबर 1934 को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में हुआ था। उनका पूरा नाम सलीम अजीज दुर्रानी था। जन्म के बाद वह भारत आ गए। उनके पिता अब्दुल अजीज अविभाजित भारत के लिए दो अनऑफिशियल टेस्ट मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले थे। बंटवारे के बाद उनके पिता अब्दुल अजीज क्रिकेट कोच के तौर पर कराची चल गए जबकि सलीम दुर्रानी अपनी मां के साथ जामनगर में रहने रहने लगे। बाद में सलीम राजस्थान में शिफ्ट हो गए। सलीम दुर्रानी ने जनवरी 1960 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया। वह करीब 13 साल तक भारत के लिए खेले। इस दौरान उन्होंने 29 टेस्ट मैचों में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। टेस्ट में उनके नाम 1202 रन दर्ज हैं। क्रिकेट के सबसे बड़े प्रारूप में उनके नाम एक शतक और 7 अर्धशतक हैं। टेस्ट में उनका हाईएस्ट स्कोर 104 रन रहा। इसके अलावा फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उन्होंने 8545 रन बनाए। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सलीम दुर्रानी के 14 शतक और 45 अर्धशतक लगाए। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका हाईएस्ट स्कोर 137 रन नॉट आउट रहा।

अतंरराष्ट्रीय

पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान ने समय पर चुनाव न होने पर विरोध प्रदर्शन की दी चेतावनी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) के अध्यक्ष इमरान खान ने पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में प्रांतीय विधानसभा भंग होने के 90 दिनों के भीतर चुनाव नहीं कराए जाने पर देशव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू करने की धमकी दी है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान ने शनिवार को यह धमकी दी। बता दें कि पंजाब और केपी विधानसभाओं जहां उनकी पार्टी सत्ता में थी पीटीआई के अध्यक्ष के निर्देश के अनुसार जनवरी में भंग कर दिया गया था। लेकिन पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने सुरक्षा खतरों और चुनावों में सहयोग करने में अधिकारियों की अक्षमता का हवाला देते हुए चुनावों को 8 अक्टूबर तक के लिए टाल दिया है। लाहौर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री – जिन्हें पिछले साल अप्रैल में अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से पद से हटा दिया गया था – ने कहा कि प्रांतों में कार्यवाहक सरकारों को "तटस्थ" भूमिका निभानी चाहिए थी लेकिन दुर्भाग्य से, उन्होंने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रहे हैं।

चीन ने फिर की ताइवानी इलाके में घुसपैठ, रक्षा मंत्रालय का दावा- 18 विमानों का पता चला

ताइपे। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि पिछले 24 घंटों में द्वीप के आसपास चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के 18 विमानों और चार जहाजों की गतिविधियां सामने आई हैं। मंत्रालय ने ट्विटर पर कहा, "ताइवान के आसपास आज सुबह 6 बजे पीएलए के 18 विमानों और चार जहाजों का पता चला।" पहचान किए गए 10 विमानों ने ताइवान जलडमरूमध्य की तथाकथित मध्य रेखा को पार किया, जिसमें एक सीएच -4 यूसीएवी ड्रोन, दो शेनयांग जे-11 लड़ाकू जेट, दो चेंगदू जे-10 लड़ाकू विमान, चार शेनयांग जे-16 और एक लड़ाकू विमान एसयू-30 शामिल हैं।

मंत्रालय ने कहा कि उसने अपने विमानों, नौसेना के जहाजों और भूमि आधारित मिसाइल प्रणालियों को "इन गतिविधियों का जवाब देने" का काम सौंपा है। तत्कालीन अमरीका की हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी के अगस्त 2022 की शुरुआत में द्वीप का दौरा करने के बाद ताइवान के आसपास तनाव की स्थिति बढ़ गई। बीजिंग ने पेलोसी की यात्रा की निंदा की और इसे उसने अलगाववाद के समर्थन के संकेत के रूप में माना। इसके बाद द्वीप के आसपास के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास शुरू किया। इन सबके बावजूद, फ्रांस, अमेरिका और जापान सहित अन्य कई देशों ने तब से अपने प्रतिनिधिमंडलों को द्वीप पर भेजा। जिससे ताइवान जलडमरूमध्य में तनाव और बढ़ गया है।

छोटी खबरें

राहुल गांधी के लिए निकाली गई मशाल रैली में भडक़ी आग, सात कांग्रेस नेता झुलसे

जगदलपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द करने के विरोध में छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में कांग्रेस ने मशाल रैली निकाली। इसी बीच जलती मशाल से अचानक आग भडक़ गई और उसकी चपेट में आने से सात कांग्रेस कार्यकर्ता झुलस गए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार मशाल रैली कांग्रेस भवन से शुरू होकर शहर की प्रमुख सडक़ों से गुजरनी थी। मशाल रैली की शुरुआत के बाद कांग्रेसियों का काफिला जैसे ही संजय मार्केट चौक पार कर आगे बढ़ा तो बुझती मसालों को जलाने के लिए उसमें कुछ कांग्रेस कार्यकर्ता सप्रिट डालने लगे। सप्रिट डालने के दौरान ही एक जलती मशाल सप्रिंट के डिब्बे में जा टिकी और आग भभक गयी। घटना में सात से ज्यादा कांग्रेस कार्यकर्ता आग की चपेट में आ गए। सभी कार्यकर्ताओं को इलाज के लिए महारानी हॉस्पिटल ले जाया गया है। हादसे में कांग्रेस के दो कार्यकर्ता गंभीर रूप से झुलस गए हैं। इनमें हिमांशु और मनीष शामिल हैं। इन दोनों कार्यकर्ताओं को तत्काल रायपुर रेफर किया गया है।

मराठवाड़ा में 'सामाजिक न्याय पर्व' की शुरुआत

छत्रपति संभाजीनगर (वार्ता)। डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में अभिनव पहल 'सामाजिक न्याय पर्व' की शुरुआत की गयी है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक क्षेत्रीय उपायुक्त कार्यालय में 'सामाजिक न्याय पर्व' के तहत एक अप्रैल से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। ये कार्यक्रम आगामी 30 अप्रैल तक चलेंगे। क्षेत्रीय उपायुक्त जयश्री सोनकवाडे ने अपने वक्तव्य में बताया कि महापुरुषों के सामाजिक कार्यों की विरासत को ध्यान में रखते हुए राज्य के समाज कल्याण विभाग ने देश के महापुरुषों / महानुभावों को सलामी देने का फैसला किया है। इसी पहल के तहत मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सामाजिक न्याय विभाग के सचिव सुमंत भांगे तथा समाज कल्याण ने लाभार्थियों को विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं का लाभ प्रदान करने के लिए माह भर चलने वाले 'सामाजिक न्याय पर्व' की परिकल्पना की थी। उन्होंने बताया कि इस दौरान सहायक आयुक्त, जिला समाज कल्याण अधिकारी और जिला जाति प्रमाण पत्र सत्यापन समिति राज्य के प्रत्येक जिले में अनुसूचित जाति एवं नवबौद्ध तत्वों की बस्तियों का दौरा कर योजना के प्रति जन जागरूकता के प्रसार के साथ ही जाति प्रमाण पत्र एवं जाति वैधता प्रमाण पत्र वितरण हेतु विशेष अभियान चलायेगी। इसके साथ ही समतादूत के माध्यम से ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में नुक्कड़ नाटकों एवं लघु नाटकों के माध्यम से जन-जन तक सामाजिक योजनाओं की जानकारी पहुँचायी जायेगी तथा अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम पर कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा।

पुलिस और गोवंश तस्करों के बीच मुठभेड़: तस्कर गिरफ्तार,कांस्टेबल घायल

महराजगंज (वार्ता)। उत्तर प्रदेश में महाराजगंज के सदर कोतवाली क्षेत्र में पुलिस और पशु तस्करों के बीच हुई मुठभेड़ में एक तस्कर और एक कांस्टेबल गोली लगने से घायल हुआ है। घायल तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया हैजबकि दूसरा भागने में कामयाब रहा ।

बिहार में फिर बवाल; नालंदा में दो गुटों के बीच हुई गोलीबारी, दो लोग घायल, एक की मौत

पटना। बिहार के सासाराम और नालंदा में शनिवार को भी हिंसा हुई। नालंदा के बिहार थाना क्षेत्र में दो पक्षों के बीच गोलीबारी हुई है। इसमें तीन लोगों को गोली लगी है। बाद में इनमें से एक की मौत हो गई। नालंदा में शुक्रवार को जहां हिंसा हुई थी वहां से करीब एक किलोमीटर की दूरी पर शनिवार को हिंसा हुई है। इस दौरान करीब 30 राउंड फायरिंग की गई। पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन तब दोनों पक्षों से कोई वहां मौजूद नहीं था। जिन्हें गोली लगी है उनमें से दो अस्पताल में भर्ती हैं। वहीं एक की मौत हो गई है। पुलिस पर भी पथराव हुआ है। नालंदा के बिहारशरीफ में कफ्र्यू लगा दिया गया है। इधर, सासाराम के सफ्फुलागंज में शनिवार शाम को फिर बम फेंके गए।

इसके बाद पुलिस ने इलाके के घरों में सघन तलाशी अभियान चलाया है। इसमें आठ और लोगों को हिरासत में लिया गया है। इस तरह अब तक कुल 25 लोगों को पुलिस ने अपनी गिरफ्त में लिया है। सासाराम में फिलहाल 5 आईपीएस अधिकारियों की तैनाती की गई है। उधर, नालंदा में धारा 144 लागू है। इंटरनेट बंद है। गया और भागलपुर में फोर्स की तैनाती की गई है। नालंदा, सासाराम और गया से अब तक 61 लोगों की गिरफ्तार की गई है। बिहार के चार जिले रोहतास, नालंदा, भागलपुर और गया में रामनवमी की शोभायात्रा को लेकर शुक्रवार को हिंसक झड़प हुई। इस घटना के बाद पुलिस फोर्स तैनात की गई है। केंद्रीय मंत्री गिरीराज सिंह ने ट्वीट कर लिखा कि बिहार में रहने के लिए अब हिंदुओं को जजिया टैक्स देना होगा नहीं तो पलायन करना होगा। बिहारशरीफ में हुए हिंसक झड़प में आठ एफआईआर दर्ज की गई है। लहेरी थाना में सात और बिहार थाना में एक एफआईआर दर्ज हुई है। लहेरी थाने में दो एफआईआर पुलिस और पांच एफआईआर लोगों ने की है। शनिवार को उपद्रव वाले इलाके में फ्लैग मार्च निकाला गया। रविवार को धारा-144 हटा दी जाएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि रामनवमी शोभायात्रा के दौरान जो घटना हुई है, जो दुख की बात है। हमें कल जैसे ही पता चला अलर्ट होकर तेजी से काम किया। उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ये किसी ने जानबूझकर किया है।

समूचे जिला में धारा 144 लागू

शिमला-मटौर परियोजना को मूर्त रूप प्रदान करने में प्रदेश सरकार के प्रयास

शिमला (वार्ता)। हिमाचल की विशिष्ट भौगोलिक परिस्थितियां इसे सड़क संपर्क की दृष्टि से एक चुनौतीपूर्ण राज्य बनाती हैं। राज्य में सड़क संपर्क को सुदृढ़ करने को वर्तमान प्रदेश सरकार सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान कर रही है। मौजूदा सड़क अधोसंरचना को विकसित कर इस पहाड़ी राज्य की जीवन रेखाओं को जीवंत एवं सुगम्य बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार समयबद्ध एवं तेजी से कार्य कर रही है। राजधानी शिमला को प्रदेश के छः प्रमुख जिलों से जोड़ने वाली शिमला-मटौर फोरलेन सड़क परियोजना को साकार रूप प्रदान करने के लिए वर्षों से प्रयास किए जाते रहे हैं। विभिन्न कारणों सेयह परियोजना पिछले कुछ वर्षों से गति नहीं पकड़ पा रही थी। हाल ही में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री से भेंट कर प्रदेश में संचालित की जाने वाली फोरलेन परियोजनाओं के कार्य को प्राथमिकता प्रदान करने का आग्रह किया था। इस बैठक की निरंतरता में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के सदस्य ने हिमाचल पहुंच कर प्रदेश सरकार से विभिन्न पहलुओं पर व्यापक विचार-विमर्श किया।

स्टार्टअप में बढ़ते कदम: अमरीका और चीन के बाद भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश

नई दिल्ली। भारत में उद्यमशीलता और स्टार्टअप परिदृश्य में पिछले कुछ वर्षों में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है, जिसने भारत को अमरीका और चीन के बाद दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप पारितंत्र में बदल दिया है। पिछले कुछ वर्षों में 100 से अधिक यूनिकॉर्न को उभरते देखा है। वित्त वर्ष 2022 तक 40 हजार से अधिक सक्रिय स्टार्टअप के साथ इसका प्रभाव बहुत गहरा और व्यापक रहा है। टीआईई दिल्ली-एनसीआर के दिल्ली चैप्टर के सहयोग से बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) ने द्वारा इसको लेकर जारी एक रिपोर्ट में यह बात कही गयी है। पिछले दशक में कई अंतिम चरण की कंपनियां प्रतिष्ठित हॉकी स्टिक कर्व की तरह कामयाब रहीं, जबकि तेजी से बढऩे की कोशिशों के बीच कई और असफल भी रहीं। प्रमुख स्टार्टअप संस्थापकों और निवेशकों के साथ बातचीत के आधार पर रिपोर्ट आठ प्रमुख विषयों के साथ सफल भारतीय और वैश्विक लेट-स्टेज स्टार्टअप की कहानियों को साझा करती है, जिसने उन्हें भारत में अपना दायरा बढ़ाने में मदद की। हालांकि, कोई एक पैमाना नहीं है, लेकिन प्रमुख संस्थापकों और निवेशकों ने लक्षित ग्राहक समूहों का विस्तार करने और तेज वृद्धि के साथ यूनिट बिजनस इकॉनमी के उद्देश्यों के सामंजस्य के लिए सही व्यवसाय मॉडल स्थापित करने से लेकर रणनीति और रणनीति के बारे में जानकारी दी है। रिपोर्ट न केवल इन स्टार्ट-अप की सफलता की कहानियों पर प्रकाश डालती है बल्कि हाइपरस्केलिंग या तेज गति से विस्तार के समय संभावित नुकसान के प्रति आगाह भी करती है। भविष्य का रास्ताकुल मिलाकर पिछले एक दशक में स्टार्टअप की अच्छी-से-शानदार यात्रा से सीख लेते हुए, हमें उन्हें नए बाजार की वास्तविकताओं और स्वयं के संदर्भ में भी अनुकूलित करना चाहिए।

राहुल गांधी पर मानहानि का एक और केस दर्ज, आरएसएस ने हरिद्वार में किया मुकदमा

अब 12 अप्रैल को होगी सुनवाई

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। कुछ दिनों पहले उनकी लोकसभा सदस्यता खत्म हो गई और अब हरिद्वार कोर्ट में उनके खिलाफ मानहानि का मामला दायर हुआ है। आरएसएस कार्यकर्ता कमल भदौरिया ने यह मामला दर्ज कराया है। इस मामले की सुनवाई 12 अप्रैल को होगी। हरिद्वार जिला एवं सत्र न्यायालय में ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट द्वितीय शिव सिंह की अदालत ने मामले को स्वीकार कर लिया है। दरअसल राहुल गांधी पर यह केस आरएसएस को आज का कौरव बताने और पुरोहितों के विरुद्ध दिए बयान पर हुआ है। हरिद्वार सीजेएम कोर्ट को दी गई इस याचिका में कहा गया कि नौ जनवरी, 2023 को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र में एक जनसभा के दौरान आरएसएस को आधुनिक युग का कौरव बताया था।

हिमाचल में कोरोना संक्रमण के 354 नये मामले आए सामने

शिमला (वार्ता)। हिमाचल प्रदेश में कोरोना संक्रमण के मामलों में अचानक से उछाल आने से चिंता सताने लगी है। पिछले दिनों के आंकड़े भयभीत करने वाले हैं। प्रदेश में 24 घंटों में 354 में कोरोना संक्रमण के नए मामलों आए है जबकि करीब 31 फीसदी स्वस्थ्य हुए हैं। इससे शासन-प्रशासन हैरत में पड़ गया है। कोरोना मामलों में बढ़ोतरी के नहीं थमने पर सरकार प्रदेश में मास्क पहनना अनिवार्य कर सकती है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक प्रदेश में पिछले दिनों के अंदर कोरोना केस में तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

देवभूमि से प्रसिद्ध उत्तराखंड की इन मशहूर जगहों को भी कर लें अपनी ट्रैवलिंग

उत्तराखंड भारत का एक खूबसूरत राज्य है और इसकी राजधानी देहरादून है। उत्तराखंड देवभूमि या कह लें देवों की भूमि से भी प्रसिद्ध है। उत्तराखंड हर उम्र के लोगों के लिए एक पसंदीदा पर्यटन स्थल उभरा है। यहां आप परिवार और दोस्तों के साथ घूमने के अलावा पार्टनर के संग भी कुछ रोमांटिक पल बिता सकते हैं। उत्तराखंड एक ऐसी जगह है, जहां न केवल हिमालय की खूबसूरती देखने को मिलती है, बल्कि यहां कई सांस्कृतिक सभ्यता भी देखी जा सकती है। चलिए आपको उत्तराखंड की कुछ लोकप्रिय और खूबसूरत जगहों के बारे में बताते हैं -

उत्तराखंड में ऋषिकेश और हरिद्वार

ऋषिकेश पर्यटन स्थल उत्तराखंड राज्य में मौजूद है और ये हिमालय की तलहटी में कई प्राचीन और भव्य मंदिरों की वजह से दुनियाभर में मशहूर है। इसके अलावा ये जगह अपने लोकप्रिय कैफे, योग आश्रम और एडवेंचर एक्टिविटीज के लिए भी जानी जाती है। पिछले कुछ वर्षों में ऋषिकेश साहसिक खेलों की वजह से काफी विकसित हुआ है। तो वही अगर हम हरिद्वार की बात करें तो, हरिद्वार भारत के सात सबसे पवित्र शहरों में शुमार है। हरिद्वार उत्तराखंड राज्य के गढ़वाल क्षेत्र में गंगा नदी के तट पर स्थित है। हरिद्वार शहर अपने आश्रमों, मंदिरों और संकरी की वजह से पर्यटकों के बीच बेहद फेमस है। प्रत्येक 12 वर्षों में एक बार यहां कुम्भ का मेला भी आयोजित किया जाता है।

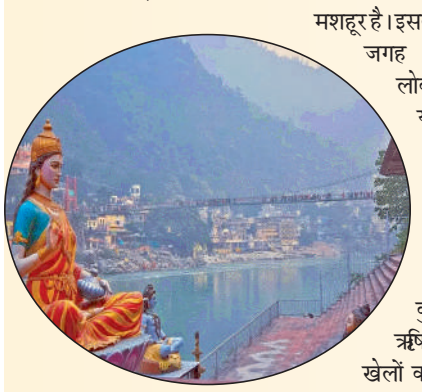

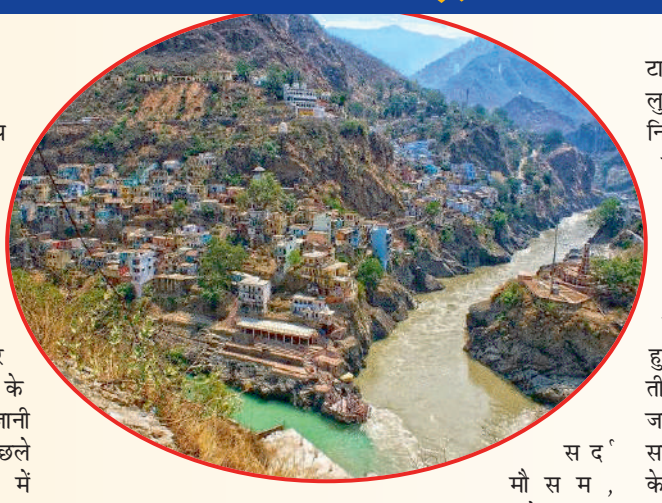

उत्तराखंड का केदारनाथ और बद्रीनाथ

उत्तराखंड का पर्यटन स्थल केदारनाथ शिव मंदिर, तीर्थ स्थल, हिमालय पर्वतमाला और खूबसूरत नजारों के लिए लोकप्रिय है। आपको बता दें, केदारनाथ मंदिर चोराबाड़ी ग्लेशियर और केदारनाथ की चोटियों से घिरा हुआ है। तो वही बात करें बद्रीनाथ की, हिंदुओं के चार पवित्र धामोंं में से, बद्रीनाथ भगवान विष्णु को समर्पित बेहद लोकप्रिय मंदिर है। उत्तराखंड में अलकनंदा नदी के किनारे स्थित, बद्रीनाथ पूरे शहर में एक बहुत ही शांतिपूर्ण और सुखद जीवन का माहौल पैदा करता है। बद्रीनाथ धाम का उल्लेख विभिन्न वेदों में भी किया गया है।

उत्तराखंड का देहरादून -

जब वीकेंड पर कही घूमने की बात आती है, तो सबसे पहले हमारे दिमाग में देहरादून घूमने का ख्याल आता है। यहां के हरे-भरे पेड़, नीला आसमान, सर्दी मौसम, बढिया खाना, ये सब कुछ ट्रिप को मजेदार बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ते। हिमालय की तलहटी में बसा देहरादून, जो उत्तराखंड की राजधानी है, अपनी खूबसूरत जलवायु और सुंदर परिदृश्य के लिए जाना जाता है। उत्तराखंड राज्य में गढ़वाल हिमालय की चोटी पर स्थित देहरादून समुद्र तल से 1400 फीट की ऊंचाई पर स्थित है।

उत्तराखंड की मसूरी और नैनीताल जगह

मसूरी पर्यटक स्थल दुनियाभर के पर्यटकों को अपनी विशेषताओं की वजह से बेहद आकर्षित करता है। यहां आप हर साल हजारों लाखों में सैलानियों को देख सकते हैं। मसूरी को रक्वीन ऑफ द हिल्सर के नाम से भी जाना जाता हैं। मसूरी की ऊंचाई समुद्र तल से लगभग 7000 फीट है। तो वही बात करें नैनीताल की, नैनीताल हिल स्टेशन भी उत्तराखंड राज्य के सबसे खूबसूरत पर्यटन स्थलों में से एक है। नैनीताल को 'नैनी झील' के नाम से भी जाना जाता है। नैनीताल अपनी एडवेंचर एक्टिविटीज के लिए भी बेहद प्रसिद्ध है।

उत्तराखंड में जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क -

जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क उत्तराखंड राज्य में हिमालय की तलहटी के बीच स्थित एक खूबसूरत नेशनल पार्क है। ये नेशनल पार्क भारत के सबसे पुराने राष्ट्रीय उद्यानों में से एक है, जिसकी स्थापना वर्ष 1936 में हैली नेशनल पार्क के रूप में गयी थी। आपको बता दें इस पार्क में रॉयल बंगाल टाइगर की लुप्तप्राय प्रजातियों का निवास स्थान है। इसके अलावा इस पार्क में 580 पक्षी प्रजातियां, 50 प्रजातियों के पेड़ और जानवरों की लगभग 50 प्रजातियां, 25 सरीसृप प्रजातियां मौजूद हैं।

उत्तराखंड का उत्तरकाशी

उत्तरकाशी शहर उत्तराखंड में स्थित है, और इसे हिंदू पौराणिक कथाओं में सबसे पवित्र शहरों में से एक माना जाता है। पूरा शहर दिव्य विरासत, लुभावनी प्राकृतिक सुंदरता और सुखदायक वातावरण से भरा हुआ है। इसे देवभूमि भी कहा जाता है, और इसे यमुनोत्री और गंगोत्री तीर्थयात्रा का प्रवेश द्वार माना जाता है। इसमें प्रकृति के सबसे लुभावने नज़ारों के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण ट्रैकिंग मार्ग भी हैं जो इसे प्रकृति के प्रति उत्साही लोगों का पसंदीदा गंतव्य बनाता है। बर्फ से लदी पहाडियां, सुंदर घाटियां और हरे-भरे अल्पाइन जंगल इसे धरती पर स्वर्ग जैसा बनाते हैं।

उत्तराखंड में रानीखेत -

रानीखेत उत्तराखंड के सबसे लोकप्रिय आकर्षणों में से एक है जो कुछ बेहतरीन प्राकृतिक दृश्यों और प्राकृतिक सुंदरता से समृद्ध है। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में स्थित, यह गंतव्य शहर की भीड़ भाड़ से दूर लाकर आपको खड़ा कर देता है। ये हिल स्टेशन हिमालय का मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करता है, जहां आपको शांतिपूर्ण वातावरण भी देखने को मिलेगा। रानीखेत सेब के बागों, खुबानी और देवदार के पेड़ों से घिरे कुछ सबसे खूबसूरत बगीचों का घर है।

घूमने के लिए बेस्ट हैं भारत की ये 5 जगहें

गर्मियों की शुरुआत होते ही कई लोग वेकेशन की प्लानिंग करने लगते हैं। रोज की भागदौड़ और वर्क प्रेशर से दूर ज्यादातर लोग वेकेशन पर किसी ऐसी जगह जाना पसंद करते हैं, जहां न सिर्फ उन्हें शांति मिली, बल्कि वह सुकून के कुछ पल भी बिता सकें। अगर आप भी इस समर सीजन किसी वेकेशन की प्लानिंग कर रहे हैं, तो हम आपको बताएंगे भारत की कुछ ऐसी जगहों के बारे में, जहां आप शोर-शराबे से दूर सुकून के साथ अपना वेकेशन एंजॉय कर पाएंगे।

ऊटी

नीलगिरी की पहाडियों में स्थित ऊटी एक बेहद सुंदर शहर है। दक्षिण भारत में मौजूद यह शहर देश-दुनिया में अपनी खूबसूरती के लिए काफी मशहूर है। यहां हर साल कई सारे पर्यटक घूमने आते हैं। अगर आप प्राकृतिक खूबसूरती के साथ अपनी छुट्टियां बिताना चाहते हैं, तो ऊटी घूमना के प्लान बना सकते हैं।

असम

भारत के उत्तर पूर्वी भाग में स्थित असम यहां का बेहद खूबसूरत ऑफ - बीट डेस्टिनेशन है। यह राज्य अपनी खूबसूरती से हमेशा से ही लोगों को आकर्षित करता आया है। अगर आप पहाड़ों और समुद्र तट के अलावा किसी अलग जगह अपनी छुट्टियां बिताना चाहते हैं, तो असम जा सकते हैं। यहां की सुंदरता और आध्यात्मिक माहौल आपको शांति प्रदान करेगी। साथ ही आप यहां कई वन्यजीव अभ्यारण्यों का भी दीदार कर सकते हैं।

गोआ

अगर आप दोस्तों के साथ कोई ट्रिप प्लान करने का सोच रहे हैं, तो गोआ एक परफेक्ट डेस्टिनेशन साबित होगा। यह शहर पूरी दुनिया में युवाओं के बीच काफी मशहूर है। गर्मियों में समुद्र बीच पर आप परफेक्ट वेकेशन एंजॉय कर सकते हैं। समुद्रतट के साथ ही आप यहां कॉन्सर्ट्स का भी मजा ले सकते हैं।

कश्मीर

धरती का स्वर्ग कहा जाने वाला कश्मीर हमेशा से ही लोगों के बीच काफी लोकप्रिय रहा है। गर्मियों में आप यहां परफेक्ट वेकेशन बिता सकते हैं। प्राकृतिक खूबसूरती से भरी यह जगह आपका दिल जीत लेगी। आप यहां नदियों, सुंदर झरनों, घाटी, हरे भरे जंगल और शिकारा की सवारी का आनंद उठा सकते हैं।

कुर्ग

अगर आप रोज की भागदौड़ और चहल-पहल से दूर अपना वेकेशन एंजॉय करना चाहते हैं, तो कुर्ग एक बढिया जगह साबित होगी। कर्नाटक के पहाड़ों के बीच बसा यह शहर अपनी सुंदरता और कॉफी उत्पादन के लिए काफी मशहूर है। आप यहां एबी फॉल्स, बारापोल नदी, ब्रह्मगिरी पीक, इरुप्पु फॉल्स और नागरहोल नेशनल पार्क समेत कई सारी जगहों का दीदार कर सकते हैं।

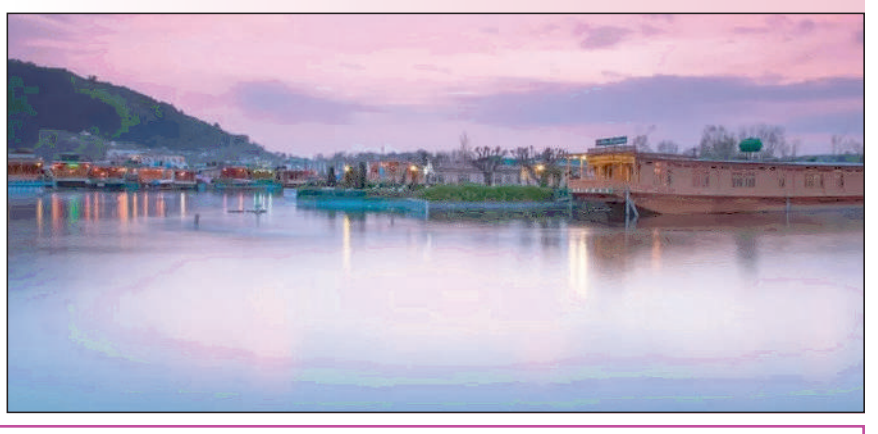

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक/संपादक- विकास गर्ग ने भगवती प्रिंटिंग प्रेस, इंडस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार उत्तराखंड से मुद्रित करवाकर 54 आवास विकास, विवेक विहार, रानीपुर मोड़, हरिद्वार उत्तराखंड से प्रकाशित किया।
प्रकाशक / संपादक: विकास गर्ग- फोन : 9897766448, : मुख्य संपादक / सुमित तिवारी- फोन : 8077771906: Email : uttarakhandprahari19@Gmail.com